अंक -72 माह – जून सत्र-2025-26

उडान

भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर

एच-107,सैक्टर -12, नॉएडा

संपादक की कलम से

प्रिय विद्यार्थियों,

हमारी भारतीय संस्कृति पर्वों और त्योहारों की संस्कृति है। ये पर्व हमें न केवल आनंद और उल्लास का अवसर देते हैं, बल्कि हमारी परंपराओं, मूल्यों और आदर्शों से भी जोड़ते हैं। आज हम तीन ऐसे महत्वपूर्ण पर्वों की बात करेंगे, जो हमारे जीवन में प्रेरणा और आदर्श स्थापित करते हैं – **स्वतंत्रता दिवस** (15 **अगस्त**), **गुरु पूर्णिमा** और **रक्षाबंधन**।

15 अगस्त: स्वतंत्रता का पर्व

15 अगस्त 1947 का दिन भारत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा गया है। इसी दिन हमारे देश ने अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति पाई थी। यह दिन हमें उन वीर स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है, जिन्होंने अपनी जान की आहुति देकर हमें स्वतंत्रता दिलाई। महात्मा गांधी, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद जैसे अनगिनत महापुरुषों के त्याग और बलिदान का यह प्रतीक दिन है।

आज जब हम स्वतंत्रता का आनंद ले रहे हैं, तो हमारा यह कर्तव्य बनता है कि हम अपने देश के प्रति सच्ची निष्ठा रखें। हमें ईमानदारी, मेहनत और अनुशासन के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए और देश को प्रगति के पथ पर आगे ले जाने का संकल्प लेना चाहिए।

गुरु पूर्णिमा: ज्ञान और आदर का पर्व

गुरु पूर्णिमा का पर्व गुरु के प्रति आदर, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। गुरु वह दीपक है जो अज्ञान के अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाता है। हमारे जीवन में माता-पिता, शिक्षक, मित्र और अच्छे ग्रंथ भी गुरु के रूप में मार्गदर्शन करते हैं।

प्रिय विद्यार्थियों, गुरु के बताए मार्ग पर चलना ही सच्ची श्रद्धा है। आप सभी अपने शिक्षकों और मार्गदर्शकों का सम्मान करें, उनसे सदैव कुछ न कुछ सीखने का प्रयास करें। क्योंकि एक अच्छा शिष्य ही आगे चलकर समाज और देश का अच्छा नागरिक बनता है।

रक्षाबंधन: प्रेम और जिम्मेदारी का पर्व

रक्षाबंधन भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का पर्व है। इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर उसकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करती है, और भाई बहन की रक्षा का संकल्प लेता है।

इस त्योहार का संदेश यही है कि हमें अपने परिवार, समाज और देश के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और सच्चाई के साथ करना चाहिए। साथ ही हमें समाज में एक-दूसरे की रक्षा और सहायता के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।

अंतिम संदेश

प्रिय बच्चों, इन पर्वों के अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने देश, अपने गुरुजनों और अपने परिवार का नाम रोशन करेंगे। अपने आचरण, मेहनत और लगन से एक अच्छे नागरिक बनेंगे और समाज में भाईचारे, प्रेम और सद्भावना का संदेश फैलाएंगे। यही इन पर्वों का सच्चा अर्थ और महत्व है।

आप सभी को स्वतंत्रता दिवस, गुरु पूर्णिमा और रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएँ

संपादक

ई-पत्रिका विमोचन

आज दिनाँक 5 जून 2025 को विद्यालय की ई-पत्रिका "उड़ान" के मई अंक का विमोचन किया गया | इस पत्रिका में पूरे माह में विद्यालय में हुई समस्त गतिविधियों की जानकारी रहती है | यह पत्रिका भैया/बहनों को अपनी अभिव्यक्ति का अवसर भी देती है |पत्रिका के माध्यम से भैया/ बहनों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास किया जाता है |

अंग्रेजी संभाषण केंद्र

Orientation Programme for English Communication
Bhaurav Devras Saraswati Vidya Mandir, H-107 Sector-12 Noida
"Do not be a parrot in life, be an eagle.A parrot talks too much and it can not fly high. An eagle is silent but it has the will power to touch the sky."
On 4th of June 2025 honourable Shri Domeshwar Sahu Ji, Kshetriya Sangathan Mantri of Vidya Bharti Paschim Uttar Pradesh Kshetra was present at English communication centre. At this time batch 27th of English communication is being conducted for the male participants who teach English from class 6th to 12th.This batch is determined from 28th of May to 12th of June 2025.
Honourable Shri Domeshwar Sahu Ji got the comprehensive introduction of all the thirty one male participants who have come from seven Prants of Vidya Bharti Purvi and Paschim Uttar Pradesh Kshetra.
Reverable Kshetriya Sangathan Mantri Ji motivated all the trainees and trainers.He focused on the following points-
1.To achieve the impressive fluency in English communication is the special demand in the present scenario.
2.Keepin in view it's importance every teacher of every subject will have to enrich his/ her vocabulary. By removing our hesitation we should try to speak to one another in English.
3.If we go to different countries,effective communication in English is necessary.
4.By implementing various activities of English communication in our classrooms we can create an atmosphere of language fluency.We shall be able to understand others. We shall express our thoughts with self confidence.
5.Reading story books,novels and newspapers in English,listening the news from English news channels will be very beneficial to maintain the effective communication.
6.After completing the fifteen days workshop from the centre every teacher should prepare the monthly planning to enhance the communication programme at school level.
7.Some other innovative activities should be prepared in our classrooms to create the curiosity among the students. With it's help learning will be joyful and productive.
The next and 28th batch of English communication will be conducted from 15th of June to 30th of June 2025 for the male participants who teach Science and Mathematics from class 6th to 12th.

विश्व पर्यावरण दिवस

आज दिनांक 5/6/2025 दिन बृहस्पतिवार को भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर, नोएडा में विश्व पर्यावरण दिवस के अंतर्गत वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। सम्मेलन का संचालन पर्यावरण विभाग प्रमुख श्रीमान कुलदीप शर्मा जी व कुमारी श्वेता लोध जी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान सोमगिरि गोस्वामी जी द्वारा बेलपत्र, अश्वगंधा, अनार जैसे औषधीय पौधे तथा आचार्या रागिनी जी द्वारा रुद्राक्ष का शुभ पौधा विद्यालय परिसर में लगाया गया। विद्यालय के सभी आचार्य आचार्याओं द्वारा एक पौधा मां के नाम विद्यालय परिसर में लगाया गया। अनेक फूलों वाले, फल वाले तथा औषधीय पौधों को विद्यालय परिसर में लगाया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य जी ने सभी को पर्यावरण को संरक्षित व हरा-भरा बनाने हेतु संदेश दिया।

आचार्य दक्षता वर्ग

आज दिनांक 06.06.2025 को विद्यालय 'भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर, नोएडा' में आचार्य दक्षता वर्ग का उद्घाटन किया गया | उद्घाटन सत्र का मंच संचालन श्रीमान सोमगिरी गोस्वामी जी (प्रधानाचार्य) द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में श्रीमान डोमेश्वर साहू जी (क्षेत्रीय संगठन मंत्री, विद्या भारती प.उ.प्र. क्षेत्र), डॉ लक्ष्म सिंह विष्ट जी (क्षेत्रीय मंत्री), श्रीमान प्रदीप भारद्वाज जी (प्रांत मंत्री, शिशु शिक्षा समिति), श्रीमान शिव कुमार शर्मा जी (क्षेत्रीय शिशु वाटिका प्रभारी), श्रीमान प्रभात गुप्ता (क्षेत्रीय मानक परिषद), श्रीमान मनोज मिश्रा जी (प्रांतीय प्रशिक्षण संयोजक), श्रीमान विशोक जी, (प्रदेश निरीक्षक एवं वर्ग पर्यवेक्षक), श्रीमान महेश चंद्र शर्मा जी (प्रांतीय शैक्षिक प्रमुख), श्रीमान हेमराज जी (प्रदेश निरीक्षक जन शिक्षा समिति), श्री मदन पाल सिंह जी (प्रशिक्षण प्रभारी अंग्रेजी संभाषण केंद्र, नॉएडा एवं प्रदेश निरीक्षक शिशु शिक्षा समिति) की गरिमामयी उपस्थिति रही।

उद्घाटन सत्र में श्रीमान डोमेश्वर साहू जी ने अपने उद्बोधन में विद्या भारती की विकास यात्रा के विषय के बारे में बताया | उन्होंने बताया कि विद्या भारती में पंचपदी शिक्षण प्रणाली के द्वारा भैया/ बहनों का सर्वांगीण विकास किया जाता है | जो भी भैया /बहन विद्या भारती के विद्यालयों से पढ़कर जाते है वे अपने विद्यालय और समाज के लिए कुछ करना चाहते है इसलिए विद्या भारती के पूर्व छात्र पोर्टल पर 10 लाख से ज्यादा भैया /बहन पंजीकृत है | विद्या भारती को SGFI की मान्यता 2012 में मिली | आज विद्या भारती के कुल 21514 विद्यालय चल रहे है जिसमें औपचारिक, अनौपचारिक, एकल विद्यालय सम्मिलित है | इन विद्यालयों में कुल 153840 आचार्यो द्वारा शिक्षा प्रदान की जा रही है , और कुल भैया/बहनों की संख्या 3533922 है।

नागरिक कर्तव्य
पर्यावरण
स्थान - भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर, नोए

प्रथम दिवस 06.06.2025- (भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर, नोएडा)
द्वितीय सत्र - दक्षता वर्ग के प्रथम दिवस के द्वितीय सत्र में डॉ लक्षम सिंह विष्ट जी (क्षेत्रीय मंत्री) ने पाँच आधारभूत विषय- शारीरिक एवं योग शिक्षा, संगीत शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, योग शिक्षा और आध्यात्मिक एवं नैतिक शिक्षा एवं विद्या भारती के नए लक्ष्य के बारे में विस्तार से बताते हुए पंचकोष, चार आयाम साथ ही बालिका शिक्षा सेवा कार्य प्रसार, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, ए आई पर अपने विचार प्रस्तुत किए।
तृतीय सत्र – इस सत्र में श्रीमान मनोज कुमार मिश्रा जी (प्रांतीय प्रशिक्षण संयोजक) ने NCF-SE के मुख्य बिंदु- 1975 में पहला NCF के परिवर्तन के बारे में बताते हुए 1988, 1992, 2000, 2005, 2020 NCF के नवीन प्रयोगों पर चर्चा की साथ ही नवीन पाठ्यक्रम को बताते हुए पंचकोष विकास , पंचपदी पाठ योजना, भाषा, क्रिएटिव असेंबली, LTM, वोकेशनल एजुकेशन समय का नियोजन एवं डिजिटल लाइब्रेरी, होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्डस, Anacedotal, रिकॉर्ड के बारे में जानकारी दी।

द्वितीय दिवस 07.06.2025- (भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर, नोएडा)आचार्य दक्षता वर्ग के द्वितीय दिवस के प्रातः स्मरण एवं शारीरिक गतिविधियाँ |

आचार्य दक्षता वर्ग के द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र में श्रीमान प्रदीप गुप्ता जी (प्रान्त संगठन मंत्री) ने आदर्श आचार्य की संकल्पना की महता को बताते हुए टीचर, अध्यापक, आचार्य, गुरु और अपने विद्या भारती के लक्ष्य को निर्धारित करते हुए भैया/बहनों में उनके मनोविज्ञान के आधार पर नए प्रयोग, कक्षा की गतिविधियाँ, स्वाध्याय , भारत देश के ऑपरेशन सिंदूर, हमारे महान पूर्वजों की जयंतियों के साथ ही ईश्वर की पहचान, हनुमान चालीसा, कबीरदास के दोहों, पाठ आमुख से जोड़ते हुए आचार्य/आचार्याओं को विभिन्न गतिविधियाँ कराकर अपना उद्देश्य पूर्ण किया।

आज द्वितीय सत्र में श्रीमान विशोक कुमार जी (प्रदेश निरीक्षक एवं वर्ग पर्यवेक्षक) ने पाठयपुस्तक पढ़ना एवं बिंदु लिखना, पाठयपुस्तकों की आवश्यकता और उद्देश्य, सामान्य कमियाँ, शैक्षिक दृष्टिकोण से पाठ की समीक्षा कैसे करें । इसकी भलीभांति जानकारी दी साथ ही टीचर डॉक्टर की तरह होता है, बालक के मनोविज्ञान दृष्टिकोण को हमें पहचान लेना चाहिए। समावेशिता और पूर्वाग्रह सम्बंधित कमियों को पहचानना चाहिए। पुस्तकों का कंटेंट सामान्य और प्रभावी होना चाहिए। अधिगम शिक्षण सामग्री, प्रोद्योगिकी का उपयोग करना चाहिए।

आज तृतीय सत्र में श्रीमान चंद्र किशोर सिंह जी ने सभी आचार्य/आचार्याओं को विषय अनुसार विभाजित किया जिसमें हिंदी, अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, संस्कृत, शारीरिक शिक्षा, कला, संगीत, वाणिज्य के विषय आचार्य/आचार्याओं ने पाठयपुस्तक की समीक्षा की जिसमें निम्न बिंदु इस प्रकार रहे- शब्दों की त्रुटियां, पुस्तक लेखन में पेज की बनावट, स्पष्ट-अस्पष्ट शब्दों का लेखन, प्रकाशन संबंधी त्रुटियां, विषयसंगत लेखन, चित्र तथा उदाहरणों पर चर्चा साथ ही पाठ्यसामग्री की रोचकता, तथ्यता, तर्कसंगत विषयवस्तु इत्यादि की समीक्षा की गई।

आज चतुर्थ सत्र में सभी विषय आचार्य/आचार्याओं ने पुस्तक की समीक्षा की जिसमें पृष्ठ की बनावट, चित्र आवरण, असंगत पंक्तियाँ, अस्पस्ट चित्रों के बारे में बताया और नए शिरे से NCF के अनुरूप पाठ पढ़ाने की जिज्ञासा उत्पन्न की आगामी माह में पाठ को रोचकता के साथ पढ़ाने के लिए स्वतंत्र हो।

आज आचार्य दक्षता वर्ग के तृतीय दिवस के प्रथम सत्र में श्रीमान महेश चंद शर्मा जी (प्रांत शैक्षिक प्रमुख) ने हमारी वंदना के महत्वपूर्ण बिंदुओं को प्रस्तुत करते हुए कहा कि सर्वप्रथम - मैं कौन हूं ? हमारे चार पुरुषार्थ हैं - धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष । भारत की पहचान , **6** दर्शन , हमारी वंदना में **3** चित्र- माँ सरस्वती, ओम, भारत माता , हंस, वीणा, कमल, स्फटिक - माला, पुस्तक, धवल वेश, हिंदी प्रार्थना , ब्रह्मनाथ, गायत्री मंत्र, भारत माता वंदना, शांति पाठ , तीनों लोकों का वर्णन और प्रभावी वंदना को कितने अच्छे तरीके से हमें विद्यालय में प्रारंभ करना चाहिए जिससे भैया / बहिनों में भारत देश की वंदना पूर्ण रूप से विकसित हो सके।

आज द्वितीय सत्र में डॉ. प्रियंका चौहान जी (प्रधानाचार्या , शताब्दी नगर, मेरठ) ने पंचपदीय अधिगम की संपूर्ण प्रक्रिया को सीखने की रणनीतियां , अधिगम पद्धतियां, कला समेकित ,एल टी एम, कक्षा रूम मैनेजमेंट, बच्चों की सहभागिता , लचीलापन , आदर्श पाठ योजना **2020** में कक्षा **6** से **12** तक के सभी स्तरों पर आधुनिक रूप से नए प्रयोग करते हुए बच्चों के लिए एक अच्छे आदर्श पाठ कों तैयार करने की विधि को बहुत ही सुंदर तरीके से पी पी टी के माध्यम से प्रस्तुत किया।

आज पंचम सत्र में पंचपदीय अधिगम सिद्धांत पर आधारित आदर्श पाठ योजना तैयार करके गणित, अंग्रेजी , विज्ञान विषय का कार्यक्रम स्थल पर अभिनय कला और रोल प्ले के माध्यम से प्रस्तुत किया गया । विषय प्रमुख के साथ प्रतिभागियों ने पाठ योजना में अपनी भूमिका प्रस्तुत करने का क्रियात्मक अभ्यास सीखा ।

आज दिनांक **09.06.2025** को विद्यालय भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर, नोएडा में विषय प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन किया गया । उद्घाटन सत्र का मंच संचालन श्रीमती हर्षिता सांगवान जी (प्रधानाचार्या, छत्रपति शिवाजी बुलंदशहर) के द्वारा किया गया **।** इस प्रशिक्षण में पीजीटी विषय वाणिज्य , अंग्रेजी , गणित के आचार्य/आचार्या उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमान प्रकाशचंद जी (उपाध्यक्ष, उच्च शिक्षा संस्थान, विद्या भारती **)** श्रीमान कैलाश चंद्र शर्मा जी (उपाध्यक्ष, भा . दे . स. विद्या मंदिर, नोएडा) श्रीमान महेश चंद शर्मा जी **(** शैक्षिक प्रभारी) हमारे विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान सोमगिरि गोस्वामी जी की गरिमामयी उपस्थिति रही ।श्रीमान कैलाश चंद्र शर्मा जी ने कहा कि शिक्षक भाग्यशाली है, क्योंकि उसे ऐसी युवा पीढ़ी का निर्माण करना है जो कक्षा **10** एवं **12** वीं की पढ़ाई करने के बाद इस योग्य हो जाएंगे जो इंजीनियर, आईआईटी, डॉक्टर, अभियंता बनकर अपने आपको कुशल योद्धा बना सकते हैं । **NEP** से अर्जित ज्ञान को प्राप्तकर भैया/बहिनों में नया संचार करना उन्हें अपडेट और अपग्रेड करना ही शिक्षक की बड़ी प्रवीणता मानी जाती है साथ ही अतिथि महोदय श्रीमान प्रकाशचंद जी ने कहा कि प्रशिक्षण एक सतत प्रक्रिया है, हमें शोध भी करने चाहिए । बच्चों में कॉम्पिटेटिव एग्जाम को पास करने की तैयारी करानी चाहिए । प्री प्राइमरी से पीजी तक की शिक्षा हमारी मातृभाषा में होनी चाहिए । इन मुख्य विचारों से हमारा मार्गदर्शन किया ।

दक्षता एवं विषय प्रशिक्षणवर्ग के पंचम सत्र में श्रीमान सोमगिरी गोस्वामी जी (प्रधानाचार्य, भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर, नोएडा) ने विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान मेरठ प्रान्त, प.उ.प्र. आधारभूत विषय की संरचना को बच्चो के सर्वांगीण विकास से जोड़ते हुए बताया कि शारीरिक , योग, संगीत , संस्कृत और नैतिक और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंधित पंचकोषों का महत्त्व बताया , इसमें अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय, आनंदमय कोष सम्मिल्लित है। शारीरिक शिक्षा स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का वास होता है मनुष्य में सात तत्वों के बारे में बताते हुए खानपान , जीवन शैली कैसी होनी चाहिए। हमें अपने विद्यालयों में शारीरिक वेला में समता और खेल कराने चाहिए । अष्टांग योग के बारे में बताते हुए दस मिनट ध्यान का अभ्यास कराना चाहिए ,संगीत शिक्षा में गायन, वादन, नृत्य में **65** वेलाएं एक वर्ष में अवश्य होनी चाहिए । संस्कृत , नैतिक एवं अध्यात्मिक शिक्षा में राष्ट्रीयता, अध्यात्मिकता, सामाजिक समरसता, परिवार में संस्कारमय वातावरण बनाना चाहिए । हमें अपने विद्यालयों में पूर्व छात्र/अभिभावक सम्मेलन, स्वच्छता एवं सज्जा, कन्या भारती, छात्र संसद का गठन, **NCC** एवं बच्चो के जन्मदिवस पर उन्हें प्रेरणा स्वरुप एक प्रमाण पत्र भेंट देना चाहिए। इन सभी बिन्दुओं को बड़ी ही रोचकता और तथ्यता के साथ अपने विचार प्रस्तुत किए।

दिनांक **10 .06.25** के दिन आचार्य दक्षता एवं विषय प्रशिक्षण वर्ग के पंचम दिवस के प्रथम सत्र में श्रीमान प्रदीप गुप्ता जी (प्रांत संगठन मंत्री) ने विद्या भारती हमारा लक्ष्य की परिभाषा को स्पष्ट करते हुए कहा कि हम भारतीय है । स्वामी विवेकानंद , अब्दुल कलाम आजाद के द्वारा मुख्य विचारों उनकी परिकल्पना को स्पष्ट किया । राष्ट्र के प्रति आस्था, श्रद्धा से शिक्षा क्षेत्र में कार्य करना । पंचकोषों के बारे में बताते हुए आधारभूत विषय की चर्चा करते हुए, यूथ की विशेषता के साथ ही विश्व कल्याण हेतु विद्यालय के आचार्य/आचार्या/ कर्मचारी भैया/बहिन को अपने परिवार की भावना में निहित करना ही वसुधैव कुटुंबकम कहलाता है इस महता का परिचय कराया।

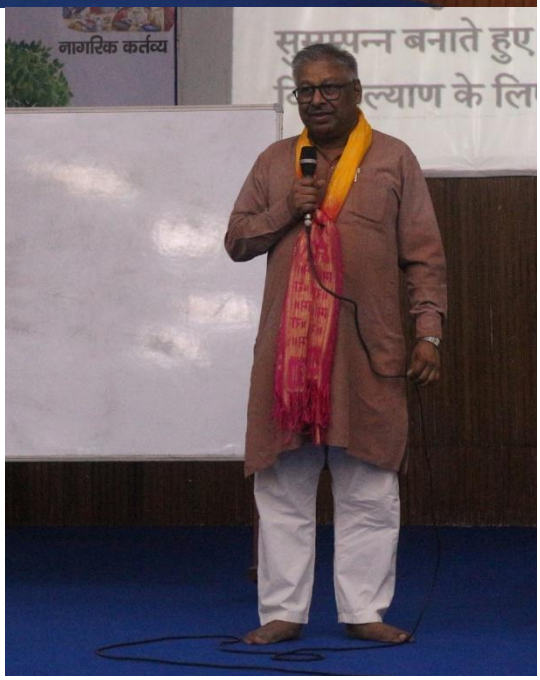

आज आचार्य दक्षता एवं विषय प्रशिक्षण वर्ग के पंचम दिवस के द्वितीय सत्र में (पूर्णकालिक सेवा कार्य, बुलंदशहर) श्रीमान देवेंद्र कुमार शर्मा जी ने कहा हमारे प्रतिभागियों को विद्या भारती, प्रांत संस्कार केंद्र, सेवा केंद्र और कार्यकर्ताओं में ऐसा सेवा भाव हो जिससे राष्ट्र के प्रति आस्था, श्रद्धा के साथ शिक्षा क्षेत्र में कार्य करने से अपना भाव जागृत करते हुए, हमें मानव निर्माण की सेवा के लिए जागरूक होना चाहिए । प्राय संस्कार केंद्र में जाकर भैया-बहिनों को प्रात: स्मरण कराना , गीत एवं खेल कराना , सभी सुविधाओं को उन बच्चों के लिए हमें व्यवस्था करनी चाहिए, जिससे वह शिक्षण को और बेहतर बना सकें, इसके साथ उन्होंने कहा कि हमारे यहां **130** संस्कार केंद्र, **12** सिलाई केंद्र , **3** कम्प्यूटर केंद्र और **1** ब्यूटीशियन केंद्र भी चल रहे हैं । अंत में उन्होंने शांति पाठ की महता को बताकर उसके क्रियान्वयन करने की प्रेरणा से भी अवगत कराया।

आचार्य दक्षता एवं विषय प्रशिक्षण वर्ग के पंचम दिवस के चतुर्थ सत्र में श्रीमान गुलशन कुमार जी (कंप्यूटर आचार्य, स्वामी विवेकानंद, साहिबाबाद, (प्रांत संवाददाता) ने विषय आईसीटी इनेबल्ड टीचिंग के बारे में बताते हुए कहा कि इक्कीसवीं सेंच्युरी स्किल्स इसमें इंफॉर्मेशन लिटरेसी, मीडिया लिटरेसी, टेक्नोलॉजी लिटरेसी, साथ ही लेसन प्लानिंग, टीचिंग टूल्स, वर्चुअल क्लासरूम, रिसोर्स शेयरिंग, कम्यूनिकेशन, असेसमेंट एंड फीडबैक की जानकारी दी एवं माइक्रोसॉफ्ट वर्ड में हिंदी/अंग्रेजी टाइपिंग , माइक्रोसाफ्ट पावर प्वाइंट, जैमिनाइन, गूगल टूल चैट, अन्य टूल्स,माइक्रोसाफ्ट एक्सेल में गूगल शीट्स में बच्चों की फोटो लगाना, रिजल्ट बनवाना , सीबीएसई टूल्स में सारांश, दीक्षा पोर्टल प्रशिक्षण आदि के बारे में जानकारी प्रस्तुत की ।

दक्षता एवं विषय प्रशिक्षण वर्ग के दशम दिवस के तृतीय सत्र में सभी प्रतिभागियों ने दक्षता वर्ग के दस दिवस में ज्ञानवर्धक बिंदुओं का अधिगम करने के पश्चात् एक लिखित परीक्षा अपने-अपने अनुक्रमांको के आधार पर परीक्षा पूर्ण की, कक्षा-कक्ष में दक्षता वर्ग के संयोजक, सह संयोजक, संचालन टोली के सदस्यों द्वारा लिखित परीक्षा कक्ष निरीक्षकों के द्वारा सम्पन्न कराई गई ।

आज दिनांक **16.06.2025** दिन सोमवार को दक्षता एवं विषय प्रशिक्षण वर्ग समापन दिवस के द्वितीय सत्र में प्रतिभागियों ने दक्षता वर्ग में प्राप्त अनुभव की समीक्षा की, दक्षता वर्ग के संयोजक श्रीमान हरिशंकर शर्मा जी ने वर्ग के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि **60** घंटों का दक्षता वर्ग प्रशिक्षण आज संपूर्ण हुआ जिसमें **115** प्रतिभागियों की उपस्थिति रही , साथ ही वर्ग डायरी लेखन में प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया प्रथम तृप्ति जी, द्वितीय प्रीति जी, तृतीय उषा जी ,शारीरिक प्रदर्शन में पंकज चंदेल जी, रविकांत जी (नोएडा), आर्या चौधरी जी एवं शारीरिक शिक्षा में यश शर्मा जी, योग शिक्षा में ईशा जी, संगीत शिक्षा में प्रेरणा जी (नोएडा), संस्कृत शिक्षा में सरोज जी , पत्रिका विमोचन संपादिका श्रीमती वंदना जी (मुजफ्फरनगर), छात्र संसद-पियूष जी, लिखित परीक्षा-नीतू गोयल जी प्रथम(मेरठ), आर्या चौधरी जी द्वितीय(मेरठ), प्रधानाचार्य हेमेंद्र जी तृतीय को सम्मानित किया गया । अतिथि महोदय श्रीमान प्रकाश चंद जी (उपाध्यक्ष, उच्च शिक्षा संस्थान) ने कहा कि बच्चों को पढ़ाने के लिए पंच परिवर्तन का क्रियान्वयन करके, आगामी दिनों में जन-जन में समरसता का भाव उद्दीप्त करते हुए हमें समाज में कुटुंब की भावना से प्रेरित होकर स्व का बोध निर्माण करना चाहिए । प्रशिक्षणों में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए, दक्षता वर्ग और विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त करते हुए श्रीमान विशोक जी (प्रदेश निरीक्षक एवं वर्ग पर्यवेक्षक) ने कहा अच्छी भावनाओं को ग्रहण कर हमें अपने विद्यालयों में जाना है विद्यालय प्रबंध समिति, श्रीमान सोमगिरि गोस्वामी जी (प्रधानाचार्य), संचालन टोली सदस्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया, दक्षता वर्ग समापन कार्यक्रम में श्रीमान मदन पाल सिंह जी (प्रशिक्षण प्रभारी अंग्रेजी संभाषण केंद्र, नोएडा एवं प्रदेश निरीक्षक शिशु शिक्षा समिति) ने एकल गीत प्रस्तुत किया, श्रीमान प्रदीप गुप्ता जी (प्रांत संगठन मंत्री) ,श्रीमान राम वरुण सिंह जी **(** प्रबंधक), श्रीमान हर्ष चतुर्वेदी जी (व्यवसायी , पूर्व छात्र विद्या भारती) श्रीमान कैलाश चंद्र शर्मा जी (उपाध्यक्ष, भा. दे. स. विद्या मंदिर, नोएडा) डॉ. मनु उमेश जी (कोषाध्यक्ष), श्रीमान महेश गुप्ता जी (संरक्षक), श्रीमान साकेत शर्मा जी (समाज सेवी), श्रीमान मयंक शर्मा जी (पूर्व प्रबंध समिति कार्यकर्त्ता), श्रीमान सतबीर जी (व्यवसायी), श्रीमान पंकज गोयल जी (समाजसेवी), श्रीमान विवेक शर्मा जी (वकील), श्रीमान काव्यांश गिरि जी, श्रीमान विशाल रस्तोगी जी, श्रीमान महेश शाह जी, डॉ. विजय कुमार जी, श्रीमान बी. के .गुप्ता जी की गरिमामयी उपस्थिति रही **|**

अंग्रेजी संभाषण केंद्र

Orientation Programme for English Communication

Bhaurav Devras Saraswati Vidya Mandir, H-107 Sector-12 Noida

"Every successful person has a painful story.Every painful story has a successful ending. Accept your pain and get ready for the success. "

Dr A.P.J.Abdul Kalam

On 15th of June 2025,on the auspicious occasion of inauguration of English communiation batch 28th honourable Shri Domeshwar Sahu Ji, Kshetriya Sangathan Mantri of Vidya Bharti Paschim Uttar Pradesh Kshetra was present. He got the detailed introduction of all the twenty nine participants who have come from seven Prants of Vidya Bharti Purvi and Paschim Uttar Pradesh Kshetra.

Honourable Shri Domeshwar Sahu Ji

guided all the trainees and trainers. He highlighted the following points-

1.In the present situation it is necessary to obtain the fluency and accuracy in English communication.

2.The schools of Vidya Bharti focus on the education based on Indian philosophy. These schools do not like the philosophy of the western culture prepared by Lord Maikale

3.The schools of Vidya Bharti provide the all round development of the brothers and sisters. It means physical, vital,mental, intellectual,moral and spiritual development.

4.Eight hundred sixty two teachers have completed the fifteen days workshop in twenty seven batches from English communication centre Noida.All the participants are performing various activities in their classrooms among the students and the teachers.The inspiring atmosphere of effective English communiation is being created in our schools.

6.All of us should talk to one another in English while working and walking.It will remove our hesitation and our fluency will be alright.

7.The next and 29th batch of English communication will be conducted from 3rd of July to 18th of July for the female participants who teach English from class 6th to 12th.

अंग्रेजी संभाषण केंद्र

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं | भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर, नोएडा में
आज विद्यालय में दिनांक **21** जून **2025** को **11** वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया, इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान सोमगिरी गोस्वामी जी , श्रीमान मयंक शर्मा जी (पूर्व छात्र), भैया/बहिन, आचार्य/आचार्या,अभिभावक बन्धु/ भगिनी एवं अन्य विद्यालय के भैया/बहिन , एवं अंग्रेजी संभाषण के आचार्य बंधुओं ने प्रतिभाग किया ।

पंच परिवर्तन
'स्व'
समरसता
कुटुंब प्रबोधन
नागरिक कर्तव्य
पर्यावरण
सामान्य योग अभ्यासक्रम (सीवाईपी) 45 मिनट

नवीन आचार्य /आचार्या प्रशिक्षण वर्ग

दिनांक **26.06.2025** से **28.06.2025** तक भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मन्दिर, नोएडा में त्रिदिवसीय नवीन आचार्य/आचार्या प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। जिसमें सभी ने अपने-अपने विषय को पीपीटी के माध्यम से सबके समस्त रखा।

श्रीमती राजनंदिनी जी के द्वारा पाठ योजना, डॉ. निधि जी के द्वारा पंचपदी अधिगम पाठ योजना, श्रीमान सौरव जी के द्वारा आदर्श विद्यालय की संकल्पना, श्रीमान मनीष चौधरी जी के द्वारा पंचकोशीय विकास हेतु पांच आधारभूत विषय, श्रीमती कीर्ति जी के द्वारा क्रियाशोध- विद्यार्थियों में लेट आने की समस्या और कुमारी अन्नु ज़ी के द्वारा शारीरिक शिक्षा और अष्टांग योग के बारे में प्रस्तुतीकरण किया गया।

मातृ देवो भव।
पितृ देवो भव।
अतिथि देवो भव।
परिवर्तन की पंचधारा
'स्व'
समरसता
Steps of Action Research:
क्रियात्मक शोध के सोपान :→
1. समस्या का शीर्षक
2. समस्या का परिचय
4. समस्या का उद्देश्य
5. परिसीमन
6. परिकल्पनाये
7. उपकरण का प्रयोग
8. समस्या के मुख्य कारण चिन्हित करना
9. समस्या की पहचान करना
10. पूर्व प्रयोगात्मक डेटा

मातृ देवो भव।
पितृ देवो भव।
अतिथि देवो
परिवर्तन की पंचधारा
'स्व'
समरसता
विद्यालयों की समय-सारणी में इन पाँचों विषयों को यदि स्थान नहीं दिया गया तो विद्या भारती की इस कल्पना को मूल रूप देना असंभव है।
अतः विद्यालय में इन विषयों के अलग-अलग कक्ष सुनिश्चित करके उनसे सम्बन्धित साहित्य व चित्र या प्रतिमान का संग्रहण एवं संकलन के साथ इन विषयों का प्रभावी अध्यापन अनिवार्य करना चाहिए।

मात् देवो भव।
पित् देवो भव।
आचार्य देवो
अतिथि देवो
आदर्श विद्यालय की
संकल्पना
'स्व'
समरसता

अंग्रेजी संभाषण केंद्र

Orientation Programme for English Communication
Bhaurav Devras Saraswati Vidya Mandir, H-107 Sector-12 Noida
Nature's message to the human beings-
" It takes one billion to three billion years for the formation of the diamond under the surface of the earth in the large depth.The temperature of 2200 degree Fahrenheit and the extreme pressure of 7,25,000 pounds per square inch are necessary for this process.Please have patience. "
On the auspicious occasion of closing ceremony of English communication batch 28th,honourable Shri Haribabu Varshneya Ji, the vice President of Vidya Bharti Paschim Uttar Pradesh Kshetra was present. He got the comprehensive introduction of all the participants.
The trainees shared their experiences regarding fifteen days workshop and they appreciated various activities conducted in the classroom by the mentors. Although all the participants performed very well in the speech competition yet three of them were selected for the first, second and third positions.Mr.Gulshan Kumar from Sahibabad,Ghaziabad got the first position, Mr.Deepak Kumar from Pooranpur,Pilibhit got the second position and Mr.Satveer Singh from Pahasu,Bulandshahr got the third position in the speech competition.
Honourable Shri Haribabu Varshneya Ji inspired all the trainees and trainers.He highlighted the following points-
1.Swami Vivekananda Ji delivered the impressive speech in 1893 at Chicago in America while attending the Parliament of World's Religions.He had an excellent command over English communication. This is why all the representatives of all the religions were extremely influenced.
2.Some full forms are as under-
FAIL-First Attempt in Learning.
END-Effort never dies.
NO-Next opportunity is mine.
3.The total number of numerical sequence of all the letters of Discipline and Attitude is 100. If any person follows discipline and he/she has a positive attitude, productivity will be 100%.
4.The full form of POSITIVE is as under-
P-Patience
O-Optimistic
S-Satisfaction
I-Inspiration
T-Time Management
I-Ideal
V-Victory
E-Easy going
If we are positive, we follow the above mentioned eight qualities.
5.All the trained teachers should implement the activities regarding English communication in their classrooms.All other teachers of all the subjects should also be trained by the trained teachers at school level and the effective atmosphere for English communication must be created.The next and 30th batch of English communication will be conducted from 21st of July to 5th of August 2025 for the male participants who teach English from class 6th to 12th.